अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में
माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का भाषण

दिनांक 27 जून 2023, मंगलवार	समय : 2:00 PM	स्थान : ताज विवांता, गुवाहाटी

बयातिक्रम मासडो के अध्यक्ष डॉ. सौमेन भारतीय जी,

कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथिगण

देवियों और सज्जनों,

नमस्कार!

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध व्यापार के खिलाफ जागरूकता के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर बहुत खुशी हो रही है। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए मैं बयातिक्रम मासडो की सराहना करता हूँ और कामना करता हूँ कि वे नशीली दवाओं के खिलाफ अपने अभियान में सफलता प्राप्त करें।

भाइयों और बहनों,

हम सभी जानते हैं 26 जून को हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाया जाता है। इस दिन दुनियाभर में लोगों को नशा और इससे होने वाले कुप्रभाव के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। हमारे देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ असम में भी कल ड्रग्स और अन्य मादक पदार्थों के खिलाफ रैली और अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

आज इसी अभियान के तहत बयातिक्रम मासडो द्वारा यह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया है। भले ही हम हर वर्ष 26 जून को नशा विरोधी दिवस मनाते हैं, लेकिन नशे के खिलाफ हमारा अभियान निरंतर और लगातार चलते रहना चाहिए। यह अभियान तब तक जारी रहना चाहिए जब तक हमारा देश नशा मुक्त न हो जाए।

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि बयातिक्रम मासडो द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग और इसके गोरखधंधे के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान चलाया जाता है। मुझे बताया गया कि पिछले वर्ष बयातिक्रम मासडो की टीम ने राजभवन से 60 दिवसीय एंटी-ड्रग अभियान चलाया था। उसके बाद संस्था द्वारा 30 दिवसीय नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया था। इसके लिए मैं बयातिक्रम मासडो के अध्यक्ष डॉ. सौमेन भारतीय जी और उनकी टीम के हर सदस्यों की प्रशंसा करता हूं।

मिंत्रों,

नशीली और मादक पदार्थों के दुरुपयोग और इसकी तस्करी न सिर्फ भारत की, बल्कि पूरे विश्व के लिए गंभीर समस्या है। वर्तमान समय में बड़ी संख्या में बड़े और बच्चे नशा करते हैं। बच्चों में नशा करने की लत बढ़ी है। अज्ञानता के कारण बच्चे नशे के दलदल में फंसते जा रहे है। इससे उनकी सेहत और कैरियर पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। यह वास्तव में चिन्ता का विषय है, क्योंकि बच्चे और युवा देश के भविष्य हैं।

मादक पदार्थों की लत गंभीर सामाजिक समस्या है और यह निर्विवाद रूप से लोगों, समाज, देश और दुनिया के सर्वांगीण विकास में प्रमुख बाधा साबित होती है। यह एक ऐसी चुनौती है, जिससे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए हमारी सामूहिक शक्ति, दृढ संकल्प और अटूट प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।

मुझे प्रसन्नता है कि ड्रग्स तस्करी के खिलाफ देशभर में जोरदार अभियान चलाया जा रहा है। असम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन द्वारा ड्रग्स तस्करी के खिलाफ तेज गति से अभियान चलाया जा रहा है। आंकड़े इस बात के गवाह हैं। मुझे बताया गया है कि पिछले ढ़ाई वर्षों से पुलिस प्रशासन ने ड्रग्स माफियाओं और तस्करों पर नकेल कस रही है और इसमें बड़ी सफलता भी मिली है।

एनडीपएस के आंकड़ों के अनुसार मई 2021 से लेकर अब तक नशा तस्करी से संबंधित 6,210 मामले दर्ज किए गए हैं और 10,345 आरोपियों

को गिरफ्तार किया गया है। इस अवधि के दौरान 255 किलो हेरोइन, 75,890 किलो गांजा, 307 किलो ओपियम और एक लाख से भी अधिक अन्य नशीली दवाइयां जब्त की गईं हैं। ये आंकड़े नशा तस्करी के खिलाफ पुलिस प्रशासन की सफलता को दर्शाते हैं। सरकार ने भारी मात्रा में बरामद की गईं नशीली दवाइयों, गांजा, हेरोइन आदि को जलाकर नष्ट किया। मैं समझता हूँ यह एक बहुत ही सराहनीय कदम है।

मुझे बताया गया है कि 1974 में गठित राज्य नशा विरोधी और निषेध परिषद भी नशा मुक्ति अभियान में अपनी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। परिषद का मुख्य उद्देश्य जनता को नशीली दवाओं और पेय पदार्थों के कुप्रभावों के बारे में जागरूक करना है। इसके अलावा परिषद राज्य के कामरूप मेट्रो, तिनसुकिया, गोलाघाट, शोणितपुर, डिब्रुगढ़, बरपेटा में स्थापित नशामुक्ति और पुनर्वास केंद का भी संचालन कर रही है। मैं इसके लिए परिषद का आभार व्यक्त करता हूँ।

वित्तीय समस्याओं समेत कई अन्य कठिनाइयों के बावजूद नशामुक्ति अभियान में परिषद का योगदान बहुत सराहनीय है। परिषद द्वारा नशीले पेय और नशीली दवाओं के खिलाफ जन जागरूकता पैदा की गई है

नशा नशे के आदि व्यक्ति के साथ उसके परिवार के लोगों के जीवन को बर्बाद कर देता है। अगर परिवार में कोई एक सदस्य नशा करता है तो वह अपने साथ-साथ अपने परिवार के लिए परेशानी खड़ी करता है।

इसलिए अब समय आ गया है कि हम सभी नशीली दवाओं के दुरुपयोग, शराब और तंबाकू के उपयोग के खतरे को दूर करने के लिए ठोस प्रयास करें। नशीली दवाओं की तस्करी और दुरुपयोग से निपटने के लिए एक रणनीति विकसित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहमति और ठोस प्रयास इस समय की जरूरत है।

मेरा मानना है कि सिर्फ सख्त कानून और पुलिसिया कार्रवाई से नशा मुक्त भारत का सपना नहीं देखा जा सकता है। इसके लिए नशे के खिलाफ लोगों में जागरूकता काफी जरूरी है। लोगों, विशेषकर युवाओं को नशे के कुप्रभाव के प्रति जागरूक करने के लिए ऐसे जागरूकता अभियान चलाने होंगे। जागरूकता अभियान के जरिये ही हम नशा मुक्त देश की कल्पना कर सकते हैं।

मित्रों,

अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर हर वर्ष एक थीम रखी जाती है, जिसका बहुत महत्व होता है। इस वर्ष की थीम " **लोग पहले: कलंक और भेदभाव को रोकें, रोकथाम को मजबूत करें"** है। मैं समझता हूँ कि इस थीम का बहुत बड़ा महत्व है। नशीली दवाओं का उपयोग करने वाले बहुत से लोग **'कलंक'** और **'भेदभाव'** का सामना करते हैं, जो उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को और नुकसान पहुंचा सकता है और उन्हें आवश्यक सहायता प्राप्त करने से रोक सकता है। इसलिए मानवता को प्राथमिकता देते हुए हमें नशीली दवाओं का उपयोग करने वाले के कलंक को धोने और भेदभाव को मिटाकर नशे की रोकथाम के अभियान को बढ़ावा देना चाहिए।

हमें साथ मिलकर, नशे के जाल में फंसे लोगों की सहायता करनी होगी और उनकी शिक्षा और पुनर्वास के लिए कदम उठाने होंगे। साथ ही युवाओं को नशे के इस विनाशकारी चक्र का शिकार बनने से रोकने के लिए मिलकर काम करना होगा।

नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई अकेले सरकार द्वारा नहीं लड़ी जा सकती है, बल्कि इसके लिए हमारे समाज के प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है। मैं सभी सामाजिक संस्थाओं, महिला संगठनों, गैर-सरकारी संगठनों, समाजसेवियों, चिकित्सकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, युवाओं से अपील करता हूँ कि वे नशा और इसकी तस्करी के खिलाफ जागरूकता के लिए अपना हाथ बढाएं और स्वस्थ समाज बनाने में अपना योगदान दें।

मैं आप सभी से भी अपील करता हूँ कि दृढ़ता और समर्पण के साथ नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा खोलें ताकि हम अपने राज्य और नई पीढ़ियों के लिए एक उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य का निर्माण कर सकें।

आइए, हम एक साथ मिलकर दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ नशे के खिलाफ खड़े हों और नशा मुक्त भारत की नींव रखें और हमारी आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ और सुंदर वातावरण प्रदान करें। आज हम सभी मिलकर एक संकल्प लें कि हम नशामुक्ति के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

एक बार फिर मैं इस कार्यक्रम के आयोजकों के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ और नशे के खिलाफ आपके अभियान के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

धन्यवाद !

जय हिन्द !